पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः आश्विन 07, 1944
बृहस्पतिवारः 29 सितंबर 2022

रक्षा मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश में 3 कोर के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया; वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर देश की रक्षा तैयारियों का जायजा लिया

सशस्त्र सेनाएं हर प्रकार के खतरों से देश की सुरक्षा के लिए सुसज्जित और तैयारः श्री राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 29 सितंबर 2022 को अरुणाचल प्रदेश की दिबांग घाटी के गांव अनिनी में 3 कोर के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने सुरक्षा संबंधी सभी पहलुओं का जायजा लेकर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर देश की रक्षा तैयारियों का जमीनी स्तर पर आकलन किया। थलसेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता और भारतीय सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी रक्षा मंत्री के साथ थे और उन्होंने क्षेत्र में तैनात सैनिकों के साथ बातचीत भी की।

अग्रिम क्षेत्रों के अपने दौरे के बाद, रक्षा मंत्री ने असम के तेजपुर में सशस्त्र सेना के जवानों के साथ बातचीत की। अपने संबोधन में उन्होंने देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की बहादुरी से रक्षा करते हुए सीमाओं पर तैनात सैनिकों के समर्पण और बलिदान की सराहना की।

श्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र सेनाओं को राष्ट्र की ताकत और विश्वास का कारण बताया। उन्होंने कहा कि 2014 से सत्ता में आने के बाद से भारत की सैन्य शक्ति को मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है, 'आत्मनिर्भर' रक्षा उद्योग के माध्यम से सेवाओं को अत्याधुनिक हथियारों/उपकरणों से लैस करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

रक्षा मंत्री ने इस तथ्य की सराहना की कि सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप एक मजबूत सेना बनाई गई है जो राष्ट्र की हर प्रकार के खतरे से सुरक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने समय-समय पर अपनी ताकत और साहस का प्रदर्शन करके लोगों, विशेष रूप से युवाओं में राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति की भावना पैदा करने के लिए सशस्त्र सेनाओं की सराहना की।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लिए गए साहसिक निर्णयों और सशस्त्र सेनाओं के वीरतापूर्ण कार्यों के कारण भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि पूरी तरह से बदल गई है। उन्होंने कहा, **"**एक समय था जब भारत को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गंभीरता से नहीं लिया जाता था। हमारे प्रधानमंत्री के प्रयासों के कारण, आज हम पर्यवेक्षक से प्रतिपादक बन गए हैं। भारतीय सेना का दुनिया भर में सम्मान किया जाता है। हमारे मित्र देशों को उन पर भरोसा है। यह एक प्रमुख कारण है कि भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरा है। आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जो मजबूती से आगे बढ़ रही है।**"**

दिन की व्यस्तताओं के हिस्से के रूप में, रक्षा मंत्री ने स्थानीय ईदू मिश्मी जनजाति के वार्षिक ट्रेक अथु पोपू के दूसरे धार्मिक अभियान के सदस्यों के साथ भी बातचीत की, जिसे 2021 से भारतीय सेना द्वारा आउटरीच के हिस्से के रूप में सुविधा प्रदान की जा रही है और स्थानीय लोगों का साथ देने और पर्यटन के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

एबीबी/डीएस